

पोशन अभियान के तहत उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए पौषाटिका कर्नाटक योजना

पोशन अभियान के तहत उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए पौषाटिका कर्नाटक योजना

कर्नाटक सरकार। पोषिका कर्नाटक योजना शुरू करने जा रहा है, जो केंद्र के पोशन अभियान कार्यक्रम को लागू करेगी। यह योजना महिलाओं और बच्चों के लिए कई योजनाओं को एकीकृत करेगी और 1 चरण में 11 जिलों में लागू की जाएगी। प्राथमिक ध्यान महिलाओं और बच्चों को उचित पोषण सुनिश्चित करने और कुपोषण, स्टंटिंग, कम पोषण, एनीमिया, कम जन्म के वजन और अन्य विकास संबंधी समस्याओं को कम करने पर होगा।

महिला और बाल विकास मंत्रालय ने 24 सितंबर 2018 को यह पौष्टिक कर्नाटक योजना शुरू की है। प्राथमिक उद्देश्य बाल और महिला कल्याण में रणनीतिक हस्तक्षेप प्रदान करना है। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित अधिकांश बच्चों और महिलाओं को इस योजना से लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार। "कुपोषित मुक्त भारत" की दृष्टि को साकार करने के लिए उचित पोषण सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा बेहतर निगरानी, पर्यवेक्षण, लक्ष्य निर्धारण, समय पर कार्रवाई के

लिए अलर्ट जारी करना और मंत्रालयों में पोषण संबंधी हस्तक्षेपों का मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाएगा।

पोशन अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन) के तहत पौष्टिक कर्नाटक योजना

राज्य सरकार। कर्नाटक के पोष्टिका कर्नाटक योजना को केंद्र सरकार के राष्ट्रीय पोषण मिशन (पोशन अभियान) के तहत लॉन्च करेगा। कुपोषण और रुकी हुई वृद्धि हमेशा उन बच्चों में एक चिंता का विषय है जहाँ कर्नाटक में 46% महिलाएँ एनीमिक थीं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और महिला कल्याण में रणनीतिक हस्तक्षेप प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं को शामिल किया जाएगा जिसमें शामिल हैं: -

एकीकृत बाल विकास सेवा (आंगनवाड़ियाँ)

माथ्र् स्पोर्न (एक पूर्ण भोजन कार्यक्रम)

सृष्टि योजना (बच्चों को अंडे प्रदान करना)

क्षीर भाग्य (दूध)

जननी सुरक्षा योजना

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम

पोष्टिका कर्नाटक कार्यक्रम में राज्य महिला और बाल विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और ग्रामीण विकास और पंचायत राज के बीच अंतर-विभागीय सहयोग भी देखा जाता

है। वास्तविक समय की निगरानी के लिए, SNEHA नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जाएगा, जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ICDS सेवाओं से संबंधित जानकारी और पोषण परिणामों पर इसके प्रभाव को भर सकते हैं। अधिकारी केंद्रीय डैशबोर्ड के माध्यम से संपूर्ण डेटा की निगरानी करेंगे।

यह पहल बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करेगी। पौषधिका कर्नाटक योजना की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सामुदायिक कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक जिले के लोगों के बीच स्वास्थ्य और पोषण पर फ्लिप किताबें, पोस्टर वितरित किए जाएंगे।

पहले चरण में, इस कार्यक्रम को निम्नलिखित जिलों - बेलागवी, चामराजनगर, चिकबल्लापुर, धारवाड़, गडक, कोडागु, कोलार, रायचूर, शिवमोग्गा और उत्तर कन्नड़ जिलों में लागू किया जाएगा।